अनुसूचित जाति के कृषकों के आर्थिक उन्नयन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कृषि निवेश वितरण

भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ द्वारा दिनांक 06.04.2021 को अनुसूचित जाति के कृषकों के आर्थिक उन्नयन हेतु एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्धेश्य कृषकों को मृदा स्वास्थ्य, जल संचय, ऊसर क्षेत्र हेतु उपयुक्त धान की प्रजातियों एवं पशुओं के रख–रखाव हेतु जागरूक करना एवं उपयुक्त जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय शोध केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. यशपाल सिंह ने किया। डॉ. सिंह ने अपने संबोधन में इस कार्यक्रम के उद्धेश्य बताते हुए कहा कि हमारे इस प्रयास से हम आशा करते है कि प्रशिक्षण में आये कृषक बतायी गयी तकनीकियों का प्रयोग कर मृदा को स्वस्थ्य रखने एवं जल संचय करने में अपना पूर्ण योगदान देंगें। साथ ही साथ इनके बारे में अपने सह कृषकों को बतायेंगे जिससे यह प्रयास एक बड़ा रूप ले सके। इस कार्यक्रम में मृदा को स्वस्थ्य बनाये रखने के लिए सीएसआर बायो एवं हॅलो एजो, हॅलो पीएसबी, हॅलो जिंक का वितरण किया गया। इसकी उपयोगिता के बारे में डॉ. अर्जुन सिंह ने कृषको को इसके इस्तेमाल की विधि बतायी साथ ही साथ डॉ. सिंह ने बताया कि इनका प्रभाव सब्जी की खेती पर भी बहुत अच्छा देखा गया है। इस प्रदर्शन हेतु कृषकों को गर्मी में उगाई जाने वाली सब्जियों के बीजो की एक किट भी प्रदान की गयी। डॉ. अर्जुन सिंह ने अपने व्याख्यान में पशुओं के रख–रखाव के बारे में भी बताया और पशुओं के गोबर से कैसे वर्मी कम्पोस्ट बनाया जाये इस बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस संदर्भ में किसानों को एनिमल मैट एवं वर्मी बेड दिये गये। जल संचय की महत्ता बताते हुए डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि ट्यूबवेल से कच्ची नालियों द्वारा सिंचाई जल खेत तक ले जाने से करीब 30 से 40 प्रतिशत का नुकसान हो जाता है। अतः कृषकों को जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कृषकों को सिंचाई पाइप दिये गये जिससे ट्यूबवैल से खेत तक सिंचाई जल ले जाने में होने वाले जल के ह्रास को रोका जा सके साथ ही साथ सिंचाई में उपयोग होने वाले डीजल की भी बचत की जा सके।डॉ. एस. के. झा ने कृषकों को स्वस्थ मृदा की उपयोगिता बताते हुए मिट्टी के जाँच पर बल दिया। डॉ. श्याम जी मिश्रा ने कृषकों को ऊसर भूमि के लिए उपयुक्त धान की प्रजातियों के बारे में बताया।प्रशिक्षण शिविर में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. रिजवी, डॉ. एस के झा, डॉ. रवि किरन एवं वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री हरि मोहन वर्मा भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण का समापन डॉ. चन्द्रशेखर सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर किया गया।

एससी- एसपी योजना
एवं कृषि निवेश वितरण
दिनाँक : 06-04 -2021
स्थान : शिवरी प्रक्षेत्र

एससी- एसपी योजना
अनुसूचित जाति के कृषको के आर्थिक उन्नयन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण
एवं कृषि निवेश वितरण